फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 322 प्रभात जयपुर, शनिवार 24 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

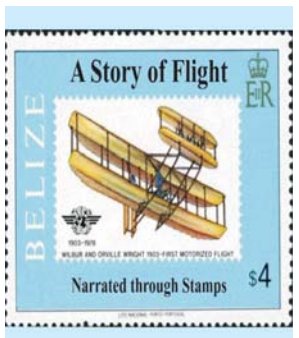

Charles Lindbergh 1902-1974

Charles Lindbergh was an American aviator who is famous for making the first non-stop flight from New York City to Paris in his airplane the Spirit of St. Louis in 1927.

Transatlantic Flight, Kidnapping and Death | Lindbergh's infant child was kidnapped and murdered

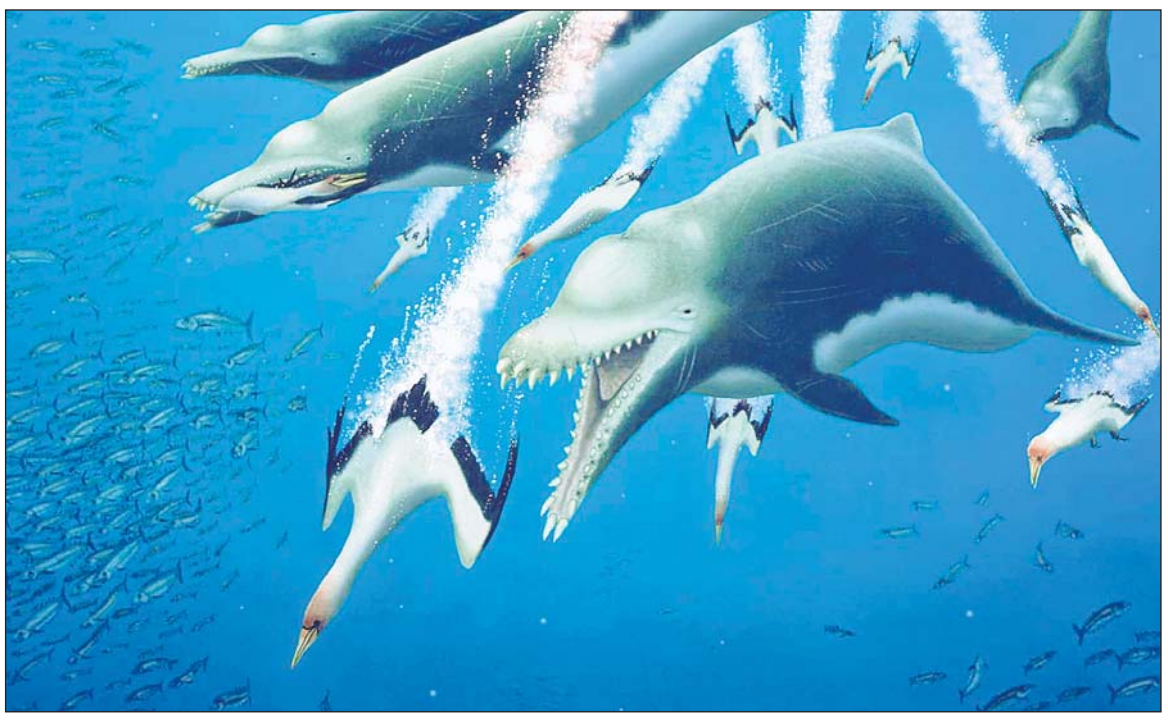

वैज्ञानिकों ने प्रागैतिहासिक काल की ऐसी डॉलफिन प्रजाति खोजी है जिसके ''टस्क'' (हाथी जैसे नुकीले दांत) हुआ करते थे, जो आज तक जीवित सटेशन्स (व्हेल, डॉल्फिन या पॉरपिस) में नहीं देखे गए हैं। आधुनिक डॉलफिन, जिनके मुँह के अंदर सीधे खड़े छोटे और तिकोने दांत होते हैं, के विपरीत इनकी खोपड़ी में कई लम्बे दांत होते थे जो उनके थूथन से बाहर निकले होते थे। अजीब से दिखने वाले ये जीव ढाई करोड़ साल पहले न्यूज़ीलैण्ड तट के पास पानी में रहते थे। युनिवर्सिटी ऑफ ओटागो (न्यूज़ीलैंड) की मरीन बायॉलजिस्ट, एम्बर कोस्टे ने कहा, ''मैं समझ नहीं पा रही थी कि ऐसे दांतों की क्या आवश्यकता हो सकती है।'' लेकिन अन्ततोगत्वा टीम एक सोच पर पहुंची कि, ''हो सकता है डॉल्फिन ने इन दांतों का प्रयोग करने के लिए भोजन करने के एक नए तरीके का अभ्यास किया, जिसका समुद्री स्तनपायी जीवों के संबंध में पूर्व में कोई उल्लेख नहीं मिलता है। हमारा सुझाव है कि, ये तेजी से अपना सिर हिलाकर शिकार को जख्मी कर देती होंगी जिससे उसे खाना आसान हो जाए।'' यह खोपड़ी 1998 में सदर्न न्यूज़ीलैंड की अवामोको घाटी में मिली थी और कई वर्षों तक युनिवर्सिटी ऑफ ओटागो जिओलॉजी म्यूज़ियम संग्रह में रखी रही। फिर वैज्ञानिकों ने इस पर रिसर्च की, जो प्रोसिडिंग्स ऑफ रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित हुई है। वैज्ञानिकों ने इस डॉलफिन को ''नीहोहाए माटाकॉय'' नाम दिया। माओरी भाषा के शब्द नीहो और हाए का अर्थ है, क्रमशः दांत और काटना। वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि, नीहोहाए के दांत वास्तव में टस्क नहीं हैं, क्योंकि असली टस्क निरंतर बढ़ने वाले आगे के दांत होते हैं जिनकी कोई जड़ नहीं होती। पर नीहोहाए के दांतों की जड़ें भी हैं और ये बढ़ते नहीं रहते हैं। इस समय टस्क वाले एकमात्र जीवित सटेशन्स नारवाल ही हैं। उनका जो सींग है वह लगातार बढ़ने वाला दांत है। छः फीट लम्बी नीहोहाए की गर्दन मौजूदा डॉलफिन की तुलना में लम्बी है तथा आगे वाले फिन्स पैंडल जैसे।

गुरूवार देर रात को गहलोत ने वेणु गोपाल से जाकर मुलाकात की!

क्या राजस्थान कांग्रेस की गुत्थी, पायलट-गहलोत संघर्ष, के शीघ्र सुलझने की संभावना बनी?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। राजस्थान कांग्रेस संकट तेजी से समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहा लगता है। ए.आई.सी.सी. के संगठन महासचिव प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल ने जयपुर के एक फाइव स्टार होटल में राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की।

सूत्रों का कहना है कि वेणुगोपाल ने दो टूक बात की और उन्होंने गहलोत को राहुल गांधी की राय साफ-साफ समझा दी है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में राहुल गांधी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को दिल्ली बुलाएंगे और उन्हें लाइन पर आने और सचिन पायलट की तीन मांगों पर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहेंगे। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि गहलोत मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं और इसके लिए वे पायलट द्वारा की गई किसी भी मांग पर सहमति नहीं देंगे। वे ऐसा कर ही नहीं सकते हैं।

- राहुल गांधी राजस्थान के विधानसभा चुनाव में जीत किसी भी कीमत पर चाहते हैं। इसी संदर्भ में वेणु गोपाल की गुरूवार को पायलट व गहलोत से मुलाकात को शुभ माना जा रहा है।
- प्राप्त जानकारी के अनुसार वेणु गोपाल ने गहलोत से बातचीत में काफी कड़ा रूख रखा तथा यह माना जा रहा है कि, एक-दो दिन में ही राहुल गांधी, गहलोत को दिल्ली बुलायेंगे तथा हाई कमान की सोच के अनुरूप कार्य करने की हिदायत देंगे।
- गहलोत चाहते हैं कि वो मु.मंत्री बने रहें, पर उन्हें पायलट की तीनों शर्तों को मानना न पड़े। पर, अब यह संभव नहीं लगता।
- राहुल के विदेश से लौटने के बाद से, राजस्थान से संबंधित घटनाक्रम काफी जोरों से आगे बढ़ने लगा है।
- हाई कमान पायलट को ''एडजस्ट'' करने में ज्यादा गंभीर इसलिये भी हुआ है कि, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि, उत्तर भारत के अन्य क्षेत्रों में पायलट की काफी जरूरत रहेगी, चुनाव प्रचार के लिये।

महत्वपूर्ण बात है कि राहुल गांधी अब चाहते हैं कि कोई कसर न छोड़ी जाए, वे चाहते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस पार्टी जीते और अगर राजस्थान कांग्रेस के ये दोनों बड़े नेता लड़ते रहे तो यह कदापि नहीं हो सकता। अब राहुल भारत लौट आए है तो राजस्थान के मामले पर शीघ्र कार्यवाही होने की उम्मीद है।

नेताओं का यह कहना है कि हालात किसी हद तक बदल सकते हैं। मध्य प्रदेश, हरियाणा व अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस को पायलट की जरूरत है और इसलिए राजस्थान में शांति स्थापना के लिए पार्टी अतिरिक्त प्रयास कर सकती है।

'टाईटैनिक की खोज में गयी ''सबमरीन'' 13000 फीट पानी के दबाव से नष्ट हुई'

विशेषज्ञों का कहना है, यह एक कार के टायर के ''प्रेशर'' से दो सौ गुना ज्यादा होता है

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। अब इस बात की पुष्टि हो गई है कि समुद्र की 13,000 फीट गहराई में टाइटैनिक के मलबे को देखने गई पनडुब्बी पूरी तरह नष्ट हो गई है और उसमें सवार सभी 5 लोग भी खत्म हो गए है, उनका कोई अवशेष तक नहीं मिला है।

अभी तक यही पता चला है कि यह कैप्स्यूल पनडुब्बी पानी का दबाव नहीं सह पाई और इसमें विस्फोट हो गया। समुद्र की इतनी गहराई में प्रैशर सतह ही तुलना में 200 गुना अधिक होता है।

विशेषज्ञों ने कहा कि पनडुब्बी पलक झपकने से पहले ही नष्ट हो गई। यह ऐसा विस्फोट था कि पनडुब्बी में सवार लोग यह जान भी नहीं पाए कि क्या हुआ और उनकी मौत हो गई।

इस विनाश की घोषणा यू.एस. कोस्टगार्ड ने की और जो लोग इस बारे में जानते है वे अब अपनी राय दे रहे हैं। टाइटैनिक फिल्म के निर्माता जेम्स कैमरून ने साफ कहा कि इस यान के ढाँचे के लिए जो सामग्री इस्तेमाल की गई व इसके लिए उपयुक्त नहीं थी। इसमें मिली जुली सामग्री कार्बन फाइबर्स और कई अन्य पदार्थ प्रयुक्त किए गए थे।

यह सामग्री स्पेस क्राफ्ट निर्माण में प्रयुक्त होती है और उसमें फायदेमंद होती है, पर महासागर की गहराई में भारी दबाव में सामग्री अपनी जगह छोड़ने लगी। हो सकता है कि यह वाहन शुरुआती टैस्टिंग डाइव्स में दबाव सह गया हो पर तब भी यह अंदर से नष्ट होने लगा था।

उन्होंने बताया कि दबाव की वजह से मिश्रित सामग्री बिखरने लगी क्योंकि दो पदार्थ एक दूसरे के एकदम पास थे। यह स्थिति आंतरिक दबाव में तो कारगर हो सकती है, पर बाहरी दबाव में नहीं। यह स्थिति शुरु में डिटैक्ट नहीं हुई होगी, पर बार-बार इस्तेमाल करने से यह अंदर ही अंदर यह कमजोर हो गया था।

विस्फोट में वाहन का पुर्जा-पुर्जा बिखर गया और इसके अवशेष टाइटैनिक से 1600 फीट दूर समुद्र की तलहटी में मिले हैं। वाहन का एक पार्ट जो कि दबाव ढाँचे का हिस्सा नहीं था सबमर्सिबल के अन्य भागों से कुछ दूर मिला है।

इस तरह की दुर्घटना नई नहीं हैं। बीस साल पहले वैज्ञानिक और ए.बी.सी. न्यूज़ के साईन्स संवाददाता डॉ. माइकल गुलियन एक पनडुब्बी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि, जो ''कम्पोज़िट मटीरियल'' सबमरीन को बनाने में काम में लिया गया था, वह उपयुक्त नहीं था। दो ''मटीरियल'' एक दूसरे पर भारी दबाव से थोप कर ''कम्पोज़िट मटीरियल'' तैयार किया जाता है, पर, लगातार भारी दबाव पड़ने से ये दोनों ''मटीरियल'' अलग हो जाते हैं और बिना किसी संकेत के ''सबमरीन'' नष्ट हो जाती है।
- ''सबमरीन'' इस प्रक्रिया से एक मिलि सैकिण्ड से कम समय में, पलक झपकने से कम समय में, अचानक नष्ट हो जाती है।

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

आदिपुरूष फिल्म के खिलाफ जनहित याचिका दायर

जयपुर, 23 जून (का.सं.)। आदिपुरुष फिल्म के संवादों और दृश्यों को लेकर चल रहा विवाद राजस्थान हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। राजस्थान हाईकोर्ट में शुक्रवार को फिल्म के खिलाफ जनहित याचिका पेश की गई है। याचिकाकर्ता बालमुकुंदाचार्य की ओर से पेश इस जनहित याचिका पर हाईकोर्ट की खंडपीठ आगामी दिनों में सुनवाई करेगी।

जनहित याचिका में अधिवक्ता अमितोश पारीक ने कहा है कि प्रभास, कृति सेनन और सैफ अली खान अभिनीत इस फिल्म में कई विवादित संवाद हैं, जिससे हिंदुओं की धार्मिक आस्था को आघात पहुंचा है। फिल्म में कई दृश्य ऐसे भी हैं, जिनका रामायण से कोई वास्ता ही नहीं है। याचिका में कहा गया कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राजस्थान हाई कोर्ट में दायर अपनी जनहित याचिका में बालमुकुंदाचार्य ने हिन्दुओं की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया है।

काफी रोचक है विपक्ष व भाजपा के बीच चला ''पोस्टर वॉर''

इस युद्ध से यह तो स्पष्ट हुआ कि, हालांकि, भाजपा ऊपर से दिखा रही है कि विपक्ष का सम्मेलन एक मजाक है, पर वास्तव में वो काफी विचलित सी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। पटना में हुई 17 विपक्षी दलों की मीटिंग सफल रही या फ्लॉप? इस प्रश्न का जवाब विपक्षी दलों और भाजपा के बीच हुये पोस्टर-युद्ध से मिल सकता है। विपक्षी नेताओं की इस विशाल मीटिंग की घोषणा कर रहे होर्डिंग, पोस्टर, बैनर्स तथा बन्टिग्स हर तरफ दिखाई दे रहे थे तथा इनके साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी के स्वागत में उनके बड़े-बड़े कट-आउट भी लगाये गये थे। जहाँ तक भाजपा का संबंध है, उसने भी ''अवसरवादी विपक्षी नेताओं'' की मीटिंग की निन्दा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। भाजपा ने इन नेताओं को ''लोकतंत्र के हत्यारे'' तथा ''हिन्दुस्तान के ठग'' की संज्ञाएं दी थीं। भाजपा के पोस्टरों में इस मीटिंग को ''गले तक भ्रष्टाचार में डूबी परिवारवादी पार्टियों'' का जमघट बताया। भगवा दल द्वारा लगाये गये एक पोस्टर में आर.एल.डी. प्रमुख लालू प्रसाद के बारे में नीतीश कुमार के पुराने आलोचनापूर्ण बयान बड़े-बड़े अक्षरों में दिखाये गये थे। महत्वपूर्ण बिन्दु यह है: भाजपा भले ही पटना की इस मीटिंग को एक मामूली घटना बता रही है, लेकिन वह इस मीटिंग से परेशान एवं हतोत्साहित नज़र आ रही है तथा जवाबी रणनीतियों पर काम कर रही है। अभी हाल ही में, भाजपा एन.डी.ए. में नये प्राण फूँकने के मिशन में जुट गई है तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एक जवाबी रणनीति के तहत भाजपा ने नीतीश की, लालू यादव के बारे में की गयी टिप्पणियाँ व लालू द्वारा नीतीश का मजाक बनाते हुए कसे व्यंग्य बाणों को प्रमुखता से होर्डिंग के मार्फत दर्शाया है।
- एक होर्डिंग में एक घोड़े की पीठ पर एक कुर्सी रखी दिखायी गयी है तथा घोड़ा कह रहा है, बारात तो तैयार है, दूल्हा कहाँ है?
- एक हर्डिंग में राहुल गांधी को देवदास के रूप में दिखाया गया है, जिसने बंगाल ममता के लिये, यू.पी. अखिलेश के लिये, बिहार नीतीश व लालू के लिये, तमिलनाडू स्टालिन के लिये छोड़ दिया और ये सब मिलकर कह रहे हैं, राहुल राजनीति छोड़ दें।

9 साल में पहली बार पत्रकारों के सामने आए प्र.मंत्री मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। गुरुवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वाइट हाउस पर 21 बंदूकों की सलामी के साथ स्वागत किया गया। वॉशिंगटन में एक न्यूज़ कॉन्फ्रैंस में उन्होंने प्रश्नों के जवाब दिए, जो कि, संभवत: नौ वर्षों के उनके प्रधानमंत्री काल में पहली बार हुआ है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडन के बगल में खड़े मोदी ने, मतभेद जताने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई तथा अल्पसंख्यकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में प्रधानमंत्री मोदी ने अल्पसंख्यकों पर हमले के सवालों को नज़रअंदाज़ कर दिया।

17 गैर एन.डी.ए. पार्टियों ने लोकसभा चुनाव ''एक रह कर'' लड़ने का निर्णय लिया पटना में

चार घंटे की बैठक के बाद आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में डी.एम.के.के स्टालिन व आप के केजरीवाल उपस्थित नहीं थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। एक ऐतिहासिक महत्व के घटनाक्रम, जिससे देश के राजनैतिक इतिहास का निर्णायक रूप से प्रभावित होना संभावित हो सकता है, के अंतर्गत, आज 17 गैर एन.डी.ए. पार्टियाँ मिलकर चुनाव लड़ने के लिये सहमत हो गई, लेकिन विभिन्न बिन्दुओं को विस्तृत एवं अंतिम रूप देने के लिये अगले महीने हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में एक और मीटिंग होगी।

पटना में यह जोरदार और स्पष्ट संदेश गया है कि विपक्ष भाजपा के खिलाफ मिलकर लड़ेगा।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो 17 विपक्षी दलों की इस बड़ी और महत्वपूर्ण मीटिंग के मेजबान थे, ने चार घंटे चली इस मीटिंग के शीघ्र बाद ही कहा कि हमने भाजपा से लड़ने के लिये संगठित होने का निर्णय ले लिया है।

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविन्द केजरीवाल एवं तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन इस संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में उपस्थित नहीं थे। इस संबंध में, बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसलिये चले गये क्योंकि उन्हें वापसी की फ्लाइट पकड़नी थी।

मीटिंग में आप और कांग्रेस के बीच के मतभेदों के बावजूद, यह सब संभव हो गया। मीटिंग में आप ने यह साफ तौर पर कह दिया कि अगर कांग्रेस दिल्ली में केन्द्र के अध्यादेश की निन्दा नहीं करती है, तो उसके लिये किसी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होना ''बहुत मुश्किल'' हो जायेगा।

नीतीश कुमार ने संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा, ''विस्तृत विवरण, जिसमें सीट-शेयरिंग तथा पार्टी वार आवंटन शामिल होगा, को शिमला में अंतिम रूप दिया जायेगा।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगली मीटिंग संभवत: 10 या 12 जुलाई को होगी, जिसमें सभी राज्यों के लिये रणनीति पर विचार-विमर्श होगा।

खड़गे ने कहा, ''हमें 2024 के चुनाव मिलकर लड़ने होंगे। हमने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- नीतीश कुमार ने स्पष्टीकरण दिया, दोनों को ''फ्लाइट'' पकड़नी थी अतः प्रैस कॉन्फ्रैंस में नहीं आ सके।
- अगली बैठक संभवतया 10-11 जुलाई को शिमला में होगी, जहां सीटों के बंटवारे आदि मुद्दों पर विस्तार से विचार विमर्श होगा।
- केजरीवाल की पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि, कांग्रेस का भाजपा से कुछ ''समझौता'' हो गया है, इसीलिये कांग्रेस दिल्ली के प्रशासन पर नियंत्रण करने के लिये, केन्द्र द्वारा लाये जा रहे अध्यादेश पर अपना सोच स्पष्ट नहीं कर रही है।
- खड़गे से प्रत्युत्तर में कहा, अध्यादेश राज्यसभा में रखा जायेगा और उस पर बहस संसद में होगी और अभी तो सत्र की तारीखें भी निश्चित नहीं हुई हैं। अतः संसद के बाहर अपना रूख स्पष्ट करने का कोई तुक नहीं है। संसद की बात संसद में होनी चाहिये, संसद के बाहर बात करने की कोई परम्परा नहीं है।

'मानसून सत्र से पहले होगा अध्यादेश पर फैसला'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। कांग्रेस ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के इस दावे को खारिज कर दिया कि, अगले लोकसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए होने वाली विपक्ष की एकता को वो तोड़ देगी। कांग्रेस अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खड़गे ने, विपक्षी पार्टियों की सभा में शामिल होने के लिए पटना रवाना होने से पहले, कहा कि, ''हम जब एक साथ मिलकर भाजपा सरकार के विरूद्ध लड़ना चाहते हैं..... संसद के मानसून सत्र से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली अध्यादेश पर कांग्रेस से रूख साफ करने की मांग कर रही आम आदमी पार्टी से दो टूक कहा।